Guru Nanak Dev Lecture Sub: “The Predicament of Modern Indian Writers in English”

The 2nd Guru Nanak Dev Lecture was organised by the Dept. of English on 24th January, 2018 in the seminar room of the college. The main speaker was Prof. Ravinandan Sinha, Professor and former Head Dept. of English, St. Xavier’s College, Ranchi. The lecture was titled “The Predicament of Modern Indian Writers in English”, where in Prof. R.N. Sinha suggested with proper references that Indian English authors have always struggled to establish proper harmony between plot and reality.

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
NAAC Accreditated 'B' Grade
(Managed by Gurudwara Prabandhak Committee, Dhanbad)
&
Vinoba Bhave University, Hazaribag
01.2018

AK COLLEGE, DH
Accreditated 'B' Grade
by Gurudwara Praba
&
inoba Bhave U
DEV

NANAK

Press Release

विमर्श. जीएन कॉलेज में व्याख्यान माला में बोले डॉ. रविनंदन

भारतीय अंग्रेजी साहित्य की दुविधा यथार्थ व कथानक

वरीय संवाददाता ▷ धनबाद

मंच पर डॉ रविनंदन सिन्हा, प्राचार्य डॉ. पी शेखर व अन्य अतिथि. फोटो : प्रभात खबर

भारतीय अंगरेजी साहित्यकारों की सबसे बड़ी दुविधा कथा वस्तु और उसके यथार्थ में सामंजस्य बनाने को लेकर है. अन्य भारतीय भाषा में सृजित साहित्य में बहुत कुछ ऐसा मिलता है, जो अंग्रेजी साहित्य में नहीं मिल पाता. यह कहना है संत जेवियर्स कॉलेज, रांची के अंगरेजी विभाग के सेवानिवृत्त व्याख्याता व जेवियर्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. रविनंदन सिन्हा का. वह बुधवार को जीएन कॉलेज भूदा कैंपस में कॉलेज अंगरेजी विभाग की ओर से गुरुनानक देव लेक्चर सीरीज के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता बोल रहे थे.

शोधों की प्रासंगिकता : कॉलेज के प्राचार्य प्रो. पी शेखर ने मुख्य अतिथि डॉ सिन्हा के अवदान की सराहना की. उन्होंने उनके शोध की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला. डॉ. सिन्हा राष्ट्रीय साहित्य अकादमी के सदस्य भी हैं. इनकी शोध पत्रिका क्वेस्ट लंबे समय से प्रकाशित हो रही है. बीए की छात्रा धनिष्ठा के साहित्यकारों की रचना व यथार्थ में सामंजस्य के अभाव पर डॉ. सिन्हा का आग्रह था कि लेखक यथार्थ के आलोक में ही रचनाशील रहें. बीए के ही छात्र अर्जुन कुमार की रचना संबंधी जिज्ञासा पर डॉ. सिन्हा ने शब्द के साथ प्रयोग की बात कही.

भारतीय अंग्रेजी साहित्य की पहचान : पीके राय कॉलेज अंगरेजी विभाग प्रो. हिमांशु चौधरी का प्रश्न था कि अंगरेजी को छोड़ अन्य भाषा के साहित्य को उसके नाम से जाना जाता है, लेकिन अंगरेजी में लिखित भारतीय साहित्य को भारतीय मान लिया जाता है ऐसा क्यों? इस पर डॉ. सिन्हा का जवाब था कि इसका निदान अनुवाद से संभव है. उन्होंने बताया कि अनुवाद का भी साहित्य में बड़ी भूमिका होती है. मौके पर मुख्य वक्ता डॉ.रंजना दास व डॉ. मीना मालखंडी ने डॉ. सिन्हा तथा प्राचार्य पी शेखर को मोमेंटो देकर सम्मानित किया.

प्रभात खबर Thu, 25 January 2018
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/39822990